पूर्वांचल के औद्योगिक विकास का इंजन बना गीडा

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। साढ़े तीन दशक पहले स्थापित गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने पिछले आठ वर्षों में पूर्वांचल के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गीडा अब क्षेत्र के औद्योगिक विकास का प्रमुख इंजन बन चुका है। तीन दिवसीय 36वां स्थापना दिवस समारोह 29 नवंबर से एक दिसंबर तक बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह का शुभारंभ 29 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री न

29 नवंबर को मुख्यमंत्री करेंगे गीडा स्थापना दिवस के तीन दिवसीय समारोह का शुभारंभ

केवल भूमि आवंटन प्रमाणपत्र का वितरण करेंगे, बल्कि औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और शिलान्यास के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये के निवेश और नए रोजगार की संभावनाओं को भी गति देंगे। साथ ही वे गीडा की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय व्यापार मेले का उद्घाटन करेंगे। इसमें बड़ी कंपनियों के साथ स्थानीय उत्पादों और विशेष रूप से ओडीओपी की भी विशेष भागीदारी होगी।

पिछले कुछ वर्षों में गीडा क्षेत्र में केयान इंडस्ट्रीज की ओर से 1200 करोड़, पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेज की ओर से 1100 करोड़, अंकुर उद्योग 500 करोड़, इंडिया ऑटोव्हील्स 400 करोड़ सहित कई कंपनियों ने बड़े निवेश किए हैं। आठ वर्षों में 497 औद्योगिक इकाइयों से 11,618 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश और लगभग 39 हजार लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

गीडा की सीईओ अनुज मलिक के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक 8,71,841 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 116 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया गया है। इनसे 6139 करोड़ रुपये के निवेश और 11,072 रोजगार सृजन का प्रस्ताव है।

धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप बनेगा भविष्य का औद्योगिक हब

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 6876 एकड़ में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास किया जा रहा है। पहले चरण में 800 एकड़ भूमि अधिग्रहण और अडानी समूह व श्रेयश डिस्टिलरी-एनर्जी लिमिटेड को 107 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित की गई है। इससे 4200 करोड़ रुपये निवेश और 6500 रोजगार का मार्ग खुलेगा। गीडा में वरुण बेवरेजेज का 1100 करोड़ का प्लांट पहले से संचालित है। कोका कोला भी गीडा सेक्टर 27 में 700 करोड़ के निवेश से प्लांट लगा रहा है। कैंपा ब्रांड ने भी अपनी यूनिट के लिए धुरियापार टाउनशिप में जमीन पसंद कर ली है।